सीएमपीडीआई की प्रमुख उपलब्धियां

वित्तीय वर्ष 2017–18 सीएमपीडीआई के लिए शानदार वर्ष रहा। विवेच्य वर्ष के दौरान मिनी रत्न कम्पनी सीएमपीडीआई ने उत्कृष्ट उपलब्धि दर्ज की तथा कोलकाता में 43वॉ कोल इंडिया लिमिटेड स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर सीएमपीडीआई बोर्ड द्वारा किए गए अनुमोदन के अनुसार 94.91 प्रतिशत स्कोर के साथ वर्ष ''2016–17 के लिए उत्कृष्ट एमओयू रेटिंग'' पुरस्कार प्राप्त किया। स्कोप कंवेंशन सेंटर, नई दिल्ली में 7 से 8 दिसम्बर, 2017 को आयोजित स्कोप कॉरपोरेट कम्युनिकेशन एक्सेलेंस अवार्ड 2017 में सीएमपीडीआई ने दो पुरस्कार यथा ''सर्वोत्तम गृह पत्रिका (हिन्दी) का तृतीय पुरस्कार'' तथा ''सर्वोत्तम निगमित फिल्मःकॉमेंडेशन'' प्राप्त किया।

प्रमुख उपलब्धि

- वर्ष 2017–18 के दौरान सीएमपीडीआई ने गवेषण के क्षेत्र में नई ऊंचाई हासिल की है। सीएमपीडीआई ने विभागीय संसाधन तथा आउटसोर्सिंग के जरिए गत वर्ष प्राप्त 11.26 लाख मीटर की उपलब्धि की तुलना में **लगभग 21 प्रतिशत वृद्धि** दर्ज करते हुए वर्ष 2017–18 के दौरान एमओयू लक्ष्य 12.50 मीटर से भी ज्यादा **13.66 लाख मीटर ड्रिलिंग की है जो अब तक सर्वाधिक ड्रिलिंग है।** विभागीय ड्रिलों के जरिए इसने आधुनिकतम मड टेक्नोलॉजी अपना कर, नई उच्च क्षमता वाली ड्रिल तथा उच्च क्षमता वाला बिट को शामिल कर गत वर्ष की तुलना में लगभग 2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करते हुए आज की तिथि तक किसी भी वर्ष में अब तक सर्वाधिक लगभग 4.50 लाख मीटर ड्रिलिंग की है।

- विभागीय ड्रिलों के लिए 586 मीटर/ड्रिल/माह की अब तक सर्वाधिक ड्रिल उत्पादकता प्राप्त की गई।

- सीएमपीडीआई एवं इसकी संविदात्मक एजेंसियों ने 110 ब्लॉकों/खानों में गवेषणात्मक ड्रिलिंग की।

- सीएमपीडीआई एवं इसकी एजेंसियों द्वारा **5.0 बिलियन टन** अतिरिक्त कोयला संसाधन को ''मेजर्ड (प्रूव्ड) कैटेगरी'' में प्रमाणित करते हुए 23 भू–वैज्ञानिक रिपोर्ट तैयार की गई है।

- ई–टेंडरिंग (निविदा–सह–रिवर्स ऑक्शन) के जरिए 17 ब्लॉकों के लिए निविदा जारी कर दी गई, जिसमें से विस्तृत गवेषण हेतु 12 ब्लॉक का कार्यादेश आउटसोर्स्ड एजेंसियों को दिया गया है।

- सोहागपुर कोलफील्ड में बेहराबांद तथा केवाई ब्लॉकों के लिए दो 2–डी सिस्मिक सर्वे रिपोर्ट सौंपी जा चुकी है।

- संरचना को समझने एवं ब्लॉकों के भू–वैज्ञानिक प्रतिपादन में मदद करने के लिए ईब वैली कोयला क्षेत्र में गौतमधारा एवं ब्लॉक–4 डीपसाइड में एचआरएसएस (2डी सिस्मिक) सर्वेक्षण किए जा चुके हैं तथा साखीगोपाल–ए ब्लॉक के डीप साइड, तालचर कोयला क्षेत्र एवं बरतरा ब्लॉक, सोहागपुर कोयला क्षेत्र में यह कार्य जारी है। उपर्युक्त ब्लॉकों में लगभग 122 लाइन किलोमीटर सिस्मिक डाटा एकत्रित किए जा चुके हैं।

- सिस्मिक डाटा प्रोसेसिंग एवं प्रतिपादन के लिए आधुनिकतम (स्टेट ऑफ आर्ट) ''पाराडाइम साफ्टवेयर'' को सीएमपीडीआई, रांची में सफलतापूर्वक लगा दिया गया है। सभी वर्तमान तथा भावी सिस्मिक रिपोर्ट इस साफ्टवेयर का प्रयोग कर तैयार किए जाएंगे।

- नए स्थापित पाराडाइम साफ्टवेयर का प्रयोग कर ईब वैली कोयला क्षेत्र के गौतमधारा ब्लॉक पर अंतरिम सिस्मिक सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार की गई है और इसकी फाइनल रिपोर्ट जल्द ही सिस्मिक डाटा के कैलेब्रेशन के बाद सौंप दी जाएगी।

- मेसर्स सरसेल द्वारा निर्मित 'मिनी वाइब्रेटर सिस्मिक एनर्जी सोर्स (उपकरण) सीएमपीडीआई द्वारा प्राप्त किया जा चुका है जो बेहतर रिजोल्यूशन के साथ 800–1000 मीटर की रेंज की गहराई से सिस्मिक ट्रेसेज को रिकॉर्ड करने में समर्थ होगा।

- सीजीडब्ल्यूए अनुमोदन और ईएमपी की स्वीकृति के लिए 'ग्राउंड वाटर क्लीयरेंस एप्लीकेशन' की तैयारी के लिए 17 खनन परियोजनाओं/खानों का जल–भूवैज्ञानिक अध्ययन किया गया।

- लगभग 100 मिलियन टन अतिरिक्त क्षमता वाले 30 परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है।

- 43 पर्यावरणिक प्रबंधन योजनाएं (20 फार्म–1 सहित) तैयार किए जा चुके हैं।

- **अपनी संस्थापना (स्थापना) से अब तक प्रथम बार सीएमपीडीआई द्वारा लाभांश और बोनस शेयर जारी किए गए।**

- 40 करोड़ रूपये के पूंजीगत व्यय का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया।

- अनुसंधान एवं विकास तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के लिए 70.74 करोड़ रूपये वितरित किए गए। विवेच्य वर्ष के दौरान 12 नए आरडीएंडटी/एसएंडटी परियोजनाएं अनुमोदित किए गए।

- कोल इंडिया के 21 विभिन्न खानों के आसपास के निवास स्थानों / महत्वपूर्ण संरचनाओं और लॉक्ड–अप कोयले के सुरक्षित रूप से कर्षण के लिए नियंत्रित विस्फोटन एवं कम्पन अध्ययन किए गए।

- वर्ष के दौरान 7 नए विस्फोटक उत्पादों का कार्यनिष्पादन मूल्यांकन किया गया।

- कोल इंडिया के खानों में प्रयोग किए जा रहे विस्फोटकों एवं सहायक सामग्रियों का पूरे वर्ष रैण्डम सैम्पलिंग और परीक्षण किए गए। बेंच मार्क पावडर फैक्टर का 68 खानों में निर्धारण सम्पन्न किया गया।

- सीआईएल में सीएमपीडीआई द्वारा वर्ष 2009 से निरंतर सेटेलाइट आंकड़ों पर आधारित ओसी खदानों का भूमि पुर्नरूद्धार मॉनिटरिंग और कोयला क्षेत्रों के वनस्पति आच्छादन, मानचित्रण किया जा रहा है। देश की पर्यावरणीय चिंताओं को ध्यान में रखते हुए और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आवश्यकताओं की पूर्ति में भी सीआईएल के ओसी खदानों में भूमि पुर्नरूद्धार और नवीनीकरण के मूल्यांकन के लिए ये आंकड़े अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए हैं। सीआईएल में मॉनिटरिंग किए जा रहे ओसी परियोजनाओं की सूची में इस वर्ष 43 और खुली खदान परियोजनाओं को जोड़ा गया है। अतः इस वर्ष से सेटेलाइट आंकड़ो का उपयोग कर चरणबद्ध तरीके से 206 खानों तथा 19 कोयला खदान क्षेत्रों का मॉनिटर किया जा रहा है।

- वर्ष 2017–18 के लिए झरिया, रानीगंज, करणपुरा और बोकारो कोयला खदान क्षेत्रों के कोयला खान की आग का थर्मल रिमोट सेंसिंग पर आधारित मॉनिटर किया जा चुका है। वर्ष 2012 से इन कोयला खदान क्षेत्रों के कोयला खान की आग का निरंतर मॉनीटरिंग किया जा रहा है और कोयला खान की आग के प्रसार और प्रसार की गति के विषय में सूचना दी जा रही है।

- कोयला खदान क्षेत्रों में सेटेलाइट आधारित क्षेत्रीय वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग के लिए एक आरएंडडी परियोजना एनआरएससी/इसरो के सहयोग से शुरू किया गया है।

- कंटूर एवं आर्थो फोटोज के जेनरेशन तथा स्टॉकपाइल वाल्युम की गणना जैसी तकनीकी सेवाओं की सक्षमता तथा बेंचमार्किंग के लिए पहली बार सीआईएल में

ड्रोन का प्रयोग किया गया। यह परियोजना सीसीएल की दो खानों यथा रजरप्पा और टोपा तथा एनसीएल की चार खानों यथा अमलोहरी, निगाही, जयंत एवं दुधीचुआ में आउट सोर्सिंग प्रणाली से कार्यान्वित की गयी। निकट भविष्य में सीआईएल में दैनिक गतिविधियों के संचालन में ड्रोन की तैनाती के लिए सीएमपीडीआई कार्य कर रहा है।

- भास्कराचार्य इंस्टीच्यूट ऑफ स्पेस अप्लीकेशन एंड जियो इंफॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी), गांधी नगर के सहयोग से वेब जीआईएस आधारित कोयला खान प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (सीएमएसएमएस) विकसित किया गया है। यह प्रणाली अवैध खनन की मॉनिटरिंग तथा इस तरह के कार्यों को रोकने उपयुक्त कार्रवाई करने के लिए विकसित की गई है। यह प्रणाली अवैध खनन कार्य की जगह के बारे में सूचना तैयार करने के लिए उपग्रह आंकड़ा तथा मोबाइल एप्प का उपयोग करेगा।

- सीएमपीडीआई के मार्गदर्शन एवं सहायता से जून 2017 में सीआईएल मुख्यालय को आईएसओ 14001:2015 के लिए सफलतापूर्वक प्रमाणित किया गया। सीआईएल मुख्यालय–कोलकाता अब आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 14001:2015 एवं आईएसओ 50001:2011 से प्रमाणित हो चुका है।

- आईएसओ 14001:2015 तथा आईएसओ 50001:2011 को शामिल कर सीएमपीडीआई के लिए समेकित प्रबंधन प्रणाली नियमावली का प्रलेखन कार्य पूरा कर अनुमोदित किया जा चुका है। सीएमपीडीआई तीन मानकों आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 14001:2015 एवं आईएसओ 50001:2011 के कार्यान्वयन की प्रक्रिया (कार्रवाई) कर रहा है।

- तीन क्षेत्रों यथा (1) खुली खनन/भूमिगत खनन सहित खनिजों के खनन (2) थर्मल पावर प्लांट एवं (3) कोयला वाशरी एवं 12 विभिन्न कार्यकारी क्षेत्रों में 90 विशेषज्ञों के साथ क्यूसीआई एनएबीईटी द्वारा ''पर्यावरणिक सेवाओं'' के लिए सीएमपीडीआई सबसे बड़ा मान्यता प्राप्त संगठन बन गया है।

- सीएमपीडीआई, क्षेत्रीय संस्थान–7, भुवनेश्वर में क्षेत्रीय पर्यावरण एवं रासायनिक प्रयोगशाला को सफलतापूर्वक एनएबीएल की मान्यता मिल गई है। वर्तमान में सीएमपीडीआई में यह एक मात्र प्रयोगशाला है जो वायु, जल एवं कोयले के प्रतिचयन एवं परीक्षण के लिए एनएबीएल से मान्यता प्राप्त है। यह प्रयोगशाला ब्राम्हणी एवं ईब नदी के सतही (भूतल) जल की गुणवत्ता का ऑनलाइन रीयल टाइम मॉनिटरिंग कर रहा है।

- सीएमपीडीआई द्वारा पर्यावरणिक प्रबंधन रिपोर्ट ऑन लाइन तैयार (सृजन) करने के लिए प्रणाली तैयार की गई है। वर्तमान में सीसीएल के अधिकार वाले क्षेत्र में पर्यावरणिक मॉनिटरिंग रिपोर्ट सृजन (निर्माण) कार्यान्वित कर दिया गया है। वायु की गुणवत्ता के संदर्भ के उक्त रिपोर्ट तथा जल की गुणवत्ता के लिए अधिकतर पारामीटर को न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप सहित विश्लेषण, भौतिक गणना की त्रुटियों को रोकने तथा पर्यावरण मॉनिटरिंग रिपोर्ट को जल्द सुपुर्द करने के लिए प्रयुक्त उपकरण से सीधे तौर पर तैयार किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप पर्यावरणिक मॉनिटरिंग रिपोर्ट को इलेक्टॉनिक फार्मेट में सुपुर्द किया जाता है, फलतः रिपोर्ट तैयार करने में प्रयोग में लाए जाने वाले कागज की बचत होती है। सीआईएल के अन्य अधिकार वाले क्षेत्र में इस प्रणाली को अपनाने का प्रयास जारी है।

- **कोयला आधारित गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतः**

  - कोल इंडिया लिमिटेड ने अपने खनन लीज होल्ड क्षेत्र से कोल बेड मिथेन के बाहर (निकालने) कार्य के लिए पहल शुरू की है। इस प्रारंभिक कार्य में दामोदर घाटी बेसिन में सीबीएम/सीएमएम ब्लॉक के निर्धारण के लिए कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कम्पनियों में सीबीएम की संभावना का मूल्यांकन शामिल है। तद्नुसार झरिया कोलफील्ड तथा रानीगंज कोलफील्ड प्रत्येक में एक–एक ब्लॉक चिन्हित की गई है।

    ✓ झरिया कोलफील्ड (बीसीसीएल): बीसीसीएल के पट्टेवाले खान क्षेत्र में कपूरिया मुनीडीह, जरमा, सिंगरा ब्लॉक को मिलाकर 24 वर्ग किलोमीटर में सीबीएम/सीएमएम ब्लॉक को चिन्हित किया गया है।

    ✓ रानीगंज कोलफील्ड (ईसीएल): ईसीएल के पट्टे वाले खनन क्षेत्र में श्रीपुर, सतग्राम तथा कुनुस्तोरिया को मिलाकर 57 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सीएमएम ब्लॉक को चिन्हित किया गया है।

    ✓ ''झरिया कोलफील्ड की मुनीडीह भूमिगत खान से कोल माइन मिथेन (सीएमएम) के प्री–ड्रेनेज'' के लिए पूर्व संभाव्यता रिपोर्ट तथा वैश्विक बिड दस्तावेज भी तैयार किया गया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से संशोधित दिशा–निर्देश प्राप्त करने पर सीबीएम के निष्कर्षण एवं उपयोग पर अनुभवी डेवलपर/सेवा प्रदाता को लगाने के लिए वैश्विक निविदा की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। सीआईएल के अधिकार वाले क्षेत्र में अतिरिक्त सीबीएम ब्लॉक की पहचान करने का कार्य जारी है।

▪ कोल इंडिया लिमिटेड एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सेवाएं दी गईः

✓ 19 जून, 2017 को सीएमपीडीआई द्वारा ई–ऑफिस के फाइल मैनेजमेंट सिस्टम को पूरी तरह डिजिटल मोड में लांच किया गया और सीएमपीडीआई झारखंड में भारत सरकार के मिशन मोड प्रोजेक्ट के उद्देश्य को पूरा करने वाला पहला लोक उपक्रम बन गया।

✓ कोयला मंत्रालय के लिए, कोल इंडिया लिमिटेड की ओर से मोबाइल एप्प विकसित किया गया है। सेवा (सरल ईंधन वितरण) विकसित किया गया है तथा माननीय कोयला मंत्री द्वारा 22 मई, 2017 को लांच किया गया है।

- **सीआईएल से बाहर कंसल्टेंसी सेवाएंः**

  - वर्ष 2017–18 के दौरान सीएमपीडीआई ने 27 संस्थानों से 66.37 करोड रूपये मूल्य के कार्य प्राप्त किए जिनमें कोयला मंत्रालय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/सरकारी संस्थानों तथा निजी कंपनियों से प्राप्त कंसल्टेंसी के कार्य भी शामिल है।
  - 31 संस्थानों के लिए 33.46 करोड़ रूपये मूल्य का कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किया जा चुका है। इन संस्थानों में से एनटीपीसी, एमओआईएल, महाजेनको, टीएचडीसी, ओड़िसा कोल एंड पावर लिमिटेड, गुजरात स्टेट इलेक्ट्रीसिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड, मध्यप्रदेश पावर जेनेरेशन कंपनी लिमिटेड आदि सीएमपीडीआईएल के कुछ महत्वपूर्ण ग्राहक है।
  - बीसीसीएल में दहीबारी वाशरी (1.6एमटीवाई) और पाथरडीह–1 वाशरी (5.0 एमटीवाई) की विचार के स्तर से कार्य के स्तर पर जाने (चालू करने) में सीएमपीडीआई सक्रिय रूप से शामिल रहा। इन दो वाशरीज का उद्घाटन सचिव (कोयला) द्वारा जनवरी एवं मार्च, 2018 में क्रमशः किया गया। सीएमपीडीआई द्वारा 6 और वाशरीज (एमसीएल में 2, एसईसीएल में 1 और सीसीएल में 3) के लिए निविदा जारी की जा चुकी है।
  - कोयला प्रसंस्करण ईकाइयों के लिए भी सीएमपीडीआई द्वारा एक पूर्व व्यवहार्यता प्रतिवेदन और एक मॉडल बिड दस्तावेज तैयार किया जा चुका है ताकि सीआईएल के सभी कोयला ग्राहकों के लिए मात्रा और गुणवत्ता मानदंडों को प्राप्त किया जा सके। यदि एक बार इन्हें लागू किया गया तो ये परियोजनाएं सीआईएल के राजस्व के साथ–साथ उनकी कॉरपोरेट छवि को भी बढ़ावा देंगी।
  - रेलवे द्वारा डीजल लोकोमोटिव को निरंतर हटाए जाने को ध्यान में रखकर इलेक्ट्रिक लोकामोटिव द्वारा वैगन में कोयले को तेजी से लादने को

सुविधाजनक बनाने के लिए साइलो के नीचे कोलेप्सेबल ओवरहेड उपकरणों को डिजाइन कर आरडीएसओ, लखनऊ को विचारार्थ प्रस्तुत किया गया, जो कि सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों के लिए तेजी से कोयला लदान की सुविधा को लागू करने के लिए अनुमोदित हुआ।

- क्षेत्रीय संस्थान–1, आसनसोल और क्षेत्रीय संस्थान–2, धनबाद में क्रमशः 80 किलोवाट तथा 30 किलो वाट की क्षमता के सोलर रूफ टॉप विद्युत संयंत्रों को स्थापित किया जा चुका है तथा तीन और क्षेत्रीय संस्थानों में इनकी स्थापना का कार्य जारी है।
- सीएमपीडीआई मुख्यालय और सभी सातों क्षेत्रीय संस्थानों द्वारा 15 अगस्त, 2017 से 31 अगस्त, 2017 तक स्वच्छता पखवाड़ा और 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2017 तक ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत फलदायी पौधों सहित पौधारोपण किया गया।
- स्वच्छता की आदतों के विकास तथा अपने परिवेश को स्वच्छ रखने के लिए न केवल मुख्यालय तथा सभी सातों क्षेत्रीय संस्थानों के कार्यालयों के प्रांगण में बल्कि विभिन्न विद्यालयों और गांवों में भी स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों, ग्रामवासियों, कर्मचारियों, स्टाफ और निवासियों द्वारा सामूहिक तौर पर स्वच्छता शपथ ली गई। कला प्रतियोगिताएं, नुक्कड़–नाटक, डोर–टू–डोर अभियान, दिवार में चित्रकलाओं, स्वच्छता रैलियों का भी आयोजन किया गया।

<u>सीएसआर</u> – प्रमुख गतिविधियां :

- ✓ **नेत्रहीन बालिकाओं का सशक्तीकरण :** सीएमपीडीआई द्वारा वर्ष 2017–18 में बालिकाओं के कौशल विकास के लिए कम्प्यूटर–सह–प्रशिक्षण केन्द्र का निर्माण किया गया और ब्रजकिशोर नेत्रहीन बालिका विद्यालय की 12 नेत्रहीन बालिकाओं का वार्षिक विद्यालय शुल्क प्रायोजित किया गया।
- ✓ **स्वास्थ्य की देखभाल को बढ़ावा देना :** प्यारी फाउंडेशन इंडिया ट्रस्ट के 10 कुष्ठ रोगियों के अस्पताल का खर्च वहन करने में सहायता दी गई जिसमें चिकित्सीय सलाह, उपचार, लैब, फिजियो और खाना भी भाामिल है।
- ✓ **गरीबों के बीच शिक्षा का प्रसारः**
    - ''बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ'' के बैनर तले बिरसा उच्च विद्यालय के 50 बीपीएल बालिका विद्यार्थियों तथा गोंदवाना प्राथमिक विद्यालय के 30 बीपीएल बालिका विद्यार्थियों की स्कूल फीस, स्टेशनरी, यूनीफार्म का खर्च प्रायोजित किया गया। वहीं दोनों ही विद्यालयों के मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति भी प्रदान की गई।

- सरस्वती शिशु मंदिर, बिलासपुर में हॉस्टल के एक कक्ष का निर्माण किया गया और एक बोरवेल लगाया गया।
- बिलासपुर में सरकारी उच्च सेकेण्डरी विद्यालय के साथ शौचालय ब्लॉक का निर्माण।
- आसनसोल में 10 दिव्यांगों को प्रायोजित किया गया।

✓ **अनाथों के लिए आवासः** करूणा अनाथाश्रम, रांची के अनाथों के लिए सीएमपीडीआई द्वारा एक हॉल का निर्माण किया गया।

✓ **ग्रामीण विकास :**

- लातेहार के खुटीटोला गांव में 4 सोलर लाइट की स्थापना की गई।
- ओड़िसा के ड्रिलिंग कैम्प के नजदीक के गांवों में कल्याण मंडपों का निर्माण।

कौशल विकास :

अपने कर्मचारियों के कौशल विकास के साथ, कंपनी के बाहर के लोगों की भी प्रशिक्षण दिया गयाः

✓ समूचे भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों के 200 विद्यार्थियों की इंटर्नशिप प्रशिक्षण दिया गया।

✓ सीएमपीडीआई के ड्रिलिंग कैम्पों में अप्रेंटिस अधिनियम 1961 के अंतर्गत गवर्नमेंट पॉलीटेकनिक, कोडरमा के 17 ड्रिलिंग डिप्लोमा धारकों को प्रशिक्षण दिया गया।

खेल–कूद :

✓ 28 से 30 जनवरी, 2018 को सीएमपीडीआई रांची में तीन दिवसीय ''कोल इंडिया अंतर कंपनी वॉलीबॉल टूर्नामेंट'' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें सीआईएल की सभी सहायक कंपनियों के साथ साथ एससीसीएल ने भाग लिया।

✓ तीन दिवसीय ''सीएमपीडीआई अंतर क्षेत्रीय संस्थान लॉन टेनिस टूर्नामेंट'' का भी सफलतापूर्वक आयोजन सीएमपीडीआई रांची में किया गया। इनका समापन 5 जनवरी, 2018 को हुआ।